# मिशन शिक्षण संवाद

## जनपद फ़तेहपुर की प्रस्तुति

# दिशाएं

**दिशाएँः-**

1.पूर्व दिशा
2.पश्चिम दिशा
3.उत्तर दिशा
4.दक्षिण दिशा
5.आकाश दिशा
6.नैऋत्य दिशा
7.ईशान दिशा
8.पाताल दिशा
9.आग्नेय दिशा
10.वायव्य दिशा

**मार्गदर्शक**

श्रीमती नीलम भदौरिया
जनपद संयोजक, फ़तेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

01

## पूर्व दिशा

दिनाँक- 23/07/2020

दिशाओं में है एक पूर्व दिशा।
सूर्योदय की है यह दिश।।
पूर्व दिशा से है सूरज निकलता।
यह हमें नई दिशा दिखलाता।।

इस दिशा में घर का खुला स्थान बनवाएं।
प्रवेश द्वार व खिड़की इस दिशा में लगवाएं।।
सकारात्मक ऊर्जावान किरणें आती इस घर में।
ऐश्वर्य और ख्याति को बढ़ावा देती यह हमें।।

वास्तुशास्त्र में यह दिशा बड़ी ही शुभदायक।
कुआँ व पानी की टंकी इस ओर होती फलदायक।।
पूर्व दिशा के स्वामी इंद्र और सूर्य कहलाते।
सुख, शान्ति और समृद्धि के कारक बतलाते।।

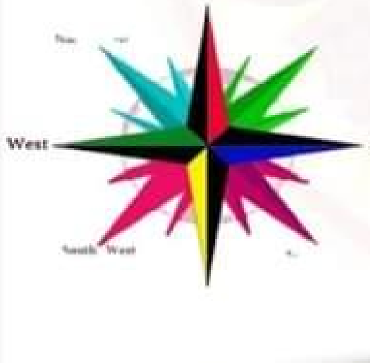


इस दिशा को कचरा,मिट्टी से दूषित करे जो कोई ,
तब संतान और धन की अधिक हानि होई।।
गृह स्वामी दु:ख और आर्थिक तंगी से जूझता।
पूर्वी हिस्सा अन्य दिशाओं की अपेक्षा ऊँचा रहता ।

रचनाकार
किरन
सहायक अध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय
बिजौली द्वितीय
अमौली-फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## 02 पश्चिम दिशा

दिनाँक- 22/07/2020

उत्तर -दक्षिण पूरब-पश्चि।
प्रमुख दिशाओं में एक है पश्चिम।।
पृथ्वी इस दिशा के विपरीत है घूमे।
सूर्यास्त की बच्चों दिशा है पश्चिम।।

ठीक विपरीत है पूरब इसके।
लम्बवत् हैं उत्तर और दक्षिण।।
कम्पास का प्रमुख संकेत है पश्चिम।
अपरा, प्रतीचि भी कहलाऐं पश्चिम।।

सौर ऊर्जा के विपरीत है पश्चिम।
अतः इसे अधिक से अधिक रखो बन्द।।
बच्चों वास्तु अनुसार घर का भाग पश्चिम।
भाग्य सुधारे, बढ़ाये धार्मिक रुचि।।

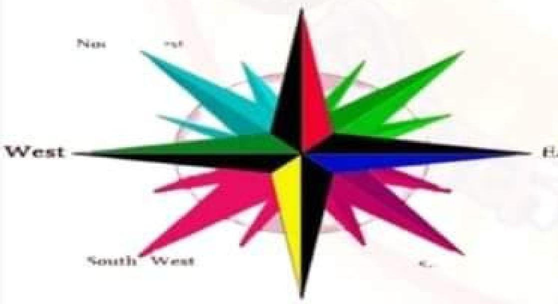


देवता वरुण हैं और तत्व है वायु।
वायु की चंचलता है इसने भी पायी।।
शनिदेव करें प्रतिनिधित्व अग्रिम।
भाग्य और ख्याति का प्रतीक है पश्चिम।।

रचनाकार
गुलफ्शाँ
(सहायक अध्यापिका)
प्रा0वि0केवटरा बेंता
देवमई-फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

03

## उत्तर दिशा

दिनाँक- 20/07/2020

आओ बच्चों मिलकर हम।
दिशाओं का आज ज्ञान करें।।
एक एक कर दिशा को समझे।
खेल खेल में याद करें।।

मुख सूरज की ओर यदि हम।
कर के खड़े हो जाते हैं।।
दोनों हाथ फैला दे तो।
उत्तर को बाएं पाते हैं।।

सभी दिशाओं में प्रमुख है।
उत्तर दिशा जो कहलाए।।
दक्षिण के विपरीत खड़ी है।
चुंबिकिय सुई बतलाए।।

उत्तर में है खड़ा हिमालय।
सीमाओं को बचाता है।।
सबसे प्यारा प्रदेश हमारा।
उत्तर प्रदेश कहलाता है।।

रचनाकार
हर्षिता सिंह
सहायक शिक्षिका
प्राथमिक विद्यालय चंदीपुर
भिटौरा-फ़तेहपुर

# दक्षिण दिशा

04

दक्षिण दिशा वो दिशा है कहलाती,
जो उत्तर के विपरीत है लेकर जाती।।
उत्तर और दक्षिण होती हैं आमने सामने,
जिस तरह हम पूरब व पश्चिम को हैं जानते।।

अगर खड़े हों मुखकर सूरज की ओर,
आपके मुख की ओर होता है पूरब का छोर।
बायें हाथ पर दिशा है उत्तर,
दक्षिण दिशा होगी दाहिने हाथ की ओर।।

मानचित्र या नक्शे में ऊपर की ओर होती उत्तर,
नीचे पूछे जाने पर दक्षिण होता है प्रत्युत्तर।।
पूरब,पश्चिम,उत्तर,दक्षिण चार प्रमुख हैं ये दिशाएँ,
साथ ही ये दिशाएँ भौगोलिक भी कहलायें।।

रचनाकार
सरस्वती देवी
पू0मा0वि0टिकरी मनौटी
खजुहा-फ़तेहपुर।

# मिशन शिक्षण संवाद

## 05 आकाश-दिशा

दिनाँक- 25/07/2020

दस दिशाओं में ऊर्ध्व दिशा है आकाश।
जिसका अपना नहीं है कोई प्रकाश।।
दिशाओं में ऊर्ध्व दिशा है सबसे खास।
क्योंकि इसमें होता है ईश्वर का वास।।

ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचाने का किया विचार।
कर्ण से उत्पन्न की कन्याएँ 6 मुख्य व गौण चार।।
ऊर्ध्व को दिया आकाश दिशा का भार।
दिग्पाल हैं स्वयं संसार के रचनाकार।।

घर की छत, खिड़की और छज्जे।
उजलादान और बीच का शेष स्थान।।
वास्तु कहता है ये।
ऊर्ध्व दिशा के हैं सब प्रतिनिधित्वकार।।

कंकड़ पत्थर कभी न फेंके।
आकाश दिशा की ओर।।
वस्तु शास्त्र हमकों बतलाये।
ले जाये ये सब विनाश की ओर।।

रचनाकार
रचना सचान
सहायक अध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय अंगदपुर
खजुहा- फ़तेहपुर।

# मिशन शिक्षण संवाद

## 06 नैऋत्य दिशा

दिनाँक- 21/07/2020

आओ बच्चों तुम्हें बताएं।
होती हैं कुल चार दिशाए।।
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण।
चार मुख्य हैं यही दिशाएँ।।

बात पते की यह लो जान।
होता इनसे दिशा का ज्ञान।।
मिलती है जहाँ दो दिशाएँ।
कही जाएं वे उपदिशाएँ।।

जैसे होती चार दिशाएँ।
वैसे ही कुछ उपदिशाएँ।।
दक्षिण से पश्चिम के मध्य।
स्थित होती दिशा नैऋत्य।।

मूल तत्व है इसका पृथ्वी।
रखते इसमें चीजें भारी।।
मुख्य द्वार नहीं इसमें शामिल।
राहु-केतु हैं इसके स्वामी।।

रचनाकार
रीता उत्तम
(सहायक अध्यापिका)
पू0मा0वि0- हाफिजपुर हरकरन
शिक्षा क्षेत्र- खजुहा
जनपद- फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## 07 ईशान-दिशा

दिनाँक- 27/07/2020

मंगल भवन अमंगल हारी।
दिशाओं में उत्तम ईशान दिशा हमारी।।
सबसे शुभ दिशा ईशान है जाती मानी।
शिव जी का यहाँ निवास कहें ज्ञानी।।

उत्तर-पूर्व दिशा के मध्य है आता।
बृहस्पति और केतु स्वामी कहलाता।।
सारी दिशाएं ही उत्तम हैं।
पर ईशान दिशा इनमें सर्वोत्तम है।।

घर शहर या शरीर का किस्सा।
सबसे पवित्र है ईशान का हिस्सा।।
पूजा घर इस दिशा में हम बनाते।
सारे काम सफल हो जाते।।

वास्तुशास्त्र ने भी है माना।
ईशान शुभ संभावनाओं का है खजाना।।
दूर रखें इस दिशा से कूड़ा-करकट और स्टोर।
सदा रखें इस दिशा में कुआं, मटका और बोर।।

रचनाकार
मंजुला मौर्य
प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय छीछा
खजुहा-फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

08

## पाताल-दिशा

दिनाँक- 26/07/2020

पाताल दिशा है दिशा अलौकिक।
इसमें कौतुक भरे हैं भौतिक।।
यहाँ उपस्थित द्रव्य कीमती।
रत्न भरे हैं बड़े बेशकीमती।।

इसमें अगणित भरे खजाने।
मार्ग खोजना कोई न जाने।।
भवन निर्माण में अहम भूमिका।
राज बताए यह जमीन का।।

लोक कहानी इसी दिशा की।
हर ग्रंथों में सुनते हैं।।
असुरों के संग नाग लोक के।
ताने-बाने बुनते हैं।।

वास्तु दिशा का अज़ब ग़ज़ब का।
जल तत्व की यहाँ प्रचुरता।।
जल जीवन का आधार है।
बिन इसके हर जीव बेहाल है।।

रचनाकार
शुभा देवी
सहायक अध्यापक
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली-फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## 09 आग्नेय-दिशा

दिनाँक- 28/07/2020

दिशाओं में एक है आग्नेय दिशा।
दक्षिण पूर्व के मध्य है यह दिशा।।
अग्नि  देवता का इसमें वास।
मंगल ग्रह का भी  है साथ।।

है वास्तुशास्त्र में इसका बड़ा महत्त्व।
क्योंकि प्रचुर है इसमें अग्नि  तत्व।।
इस दिशा रसोईघर बनाएं।
घर के सब जन उत्तम स्वास्थ्य पाएं।।

दक्षिण पूर्व दिशा में है ऊर्जा का भंडार ।
मानव के स्वास्थ्य का ऊर्जा है आधार।।
नकारात्मक शक्तियों का करती यह ऊर्जा नाश।
धन की देवी लक्ष्मी भी करती यहाँ  वाश।।

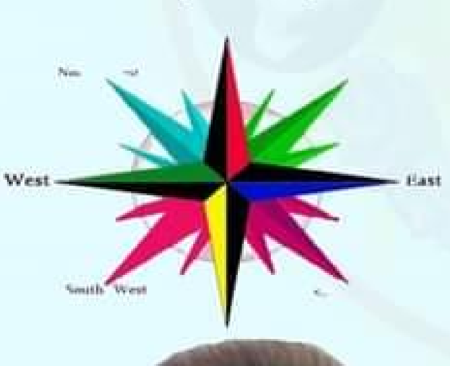


आग्नेय दिशा में जल का स्रोत यदि होई।
जिससे घर में शुभ फल ना आये कोई।।
आग्नेय दिशा में शुक्र स्थान है पाता।
जो जीवन में सुखों को है बढ़ाता।।

रचनाकार
मन्दाकिनी गौर
सहायक अध्यापक
प्राथमिक विद्यालय अकिलाबाद 2
खजुहा-फ़तेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

## 10 वायव्य दिशा

दिनाँक- 19/07/2020

दिशाओं में है एक वायव्य दिशा।
है उत्तर और पश्चिम के मध्य यह दिशा।।
मानी जाती है यह वायु का स्थान।
वायु देव को है इस दिशा पर बड़ा मान।।

है वास्तुशास्त्र में इसका बड़ा महत्व।
क्योंकि प्रचुर है इसमें वायु-तत्व।।
इस दिशा के स्थान को हल्का बनाएं।
पेड़ पौधे इस दिशा में जाकर लगाएं।।

यह दिशा रिश्तों पर डालती है प्रभाव।
इसलिए मन में रखिए अपने सच्चे भाव।।
मन में ना रखिए कोई कड़वाहट।
आने ना पाए इस दिशा में कोई रुकावट।।

यह दिशा दूषित करें जो कोई।
तब शत्रुओं से बड़ी हानि होइ।।
व्यक्ति व्यवहार भी बदल जाता है।
जब दिशा में प्रदूषण आ जाता है।।

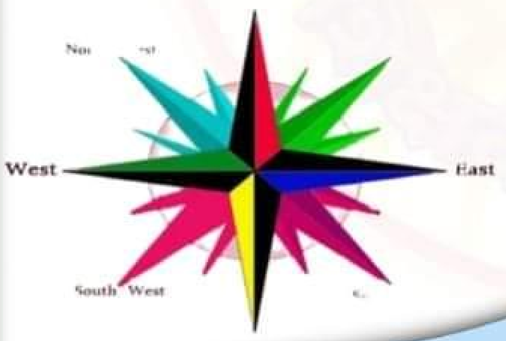

रचनाकार
शोभना सिंह
(सहायक अध्यापिका)
प्राथमिक विद्यालय बहरौली द्वितीय
मलवा-फतेहपुर